# युवा अभिव्यक्ति

# YUVA ABHIVYAKTI

वर्ष 20-21, अंक-1

**सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय**

**मेरठ - 250110, उत्तर प्रदेश**

Registrar
S.V.P. Uni. of Agri. & Tech.
Meerut-250110 (U.P.)

Registrar

# UNIVERSITY ACTIVITIES

Registrar
S.V.P. Uni. of Agri. & Tech.
Meerut-250110 (U.P.)

Scanned with OKEN Scanner

**आनंदीबेन पटेल**
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

सत्यमेव जयते

**राज भवन**
लखनऊ - 226 027

**7 मार्च, 2021**

# संदेश

यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा पत्रिका **''युवा अभिव्यक्ति''** के प्रथम अंक का प्रकाशन किया जा रहा है।

मेरी कामना है कि यह विश्वविद्यालय अपनी गौरवशाली परम्परा की मजबूत नींव के साथ ऊँचाइयाँ प्राप्त करे। मैं विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों एवं शिक्षार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए आशा करती हूँ कि वे अपने श्रेष्ठ जीवन–मूल्यों के साथ सामाजिक जीवन में उच्चतम शिखर पर पहुँचकर विश्वविद्यालय सहित देश व प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि प्रकाशित पत्रिका से छात्र–छात्राओं की अभिव्यक्ति, वैचारिक क्षमता एवं रचनाशीलता को नई दिशा प्राप्त होगी ।

पत्रिका **''युवा अभिव्यक्ति''** के प्रथम अंक के सफल प्रकाशन के लिये मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करती हूँ ।

आनंदीबेन
(आनन्दीबेन पटेल)

दूरभाष : 0522-2236497 फैक्स : 0522-2239488 ईमेल : hgovup@nic.in वेबसाइट : www.upgovernor.gov.in

Registrar
S.V.P. Uni. of Agri. & Tech.
Meerut-250110 (U.P.)



Scanned with OKEN Scanner

**सूर्य प्रताप शाही**

मंत्री

कृषि, कृषि शिक्षा एवं

कृषि अनुसंधान विभाग, उत्तर प्रदेश

कार्यालय, दूरभाष/फैक्स : 2239247

सी.एच. : 2213256

कार्यालय कक्ष संख्या 69-70

मुख्य भवन

# संदेश

यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा अपनी पत्रिका **''युवा अभिव्यक्ति''** के प्रथम वर्ष के अंक का प्रकाशन करने जा रहा है। विश्वविद्यालय पत्रिका विचारों की अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान करती है, जिसका प्रयोग करना सभी विद्यार्थियों का कर्तव्य है। यह पत्रिका विश्वविद्यालय की रचनात्मक भूमिका एवं कुशल नेतृत्व क्षमता का एक सराहनीय प्रयास है। पत्रिका समयान्तर्गत प्रकाशित होकर विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध होगी, ऐसा मेरा विश्वास है।

**''युवा अभिव्यक्ति''** पाठकों को रूचिकर तो लगेगी ही, साथ ही देश और समाज के लिये कुछ करने की प्ररेणा लोगों को अपनी बात पाठकों तक पहुँचाने में एक सशक्त माध्यम बनेगी।

इस विश्वविद्यालय परिवार और विद्यार्थियों को प्रेरणादायी और समाजोपयोगी पत्रिका के प्रकाशन के लिये बधाई देता हूँ।

शुभकामनाओं सहित।

भवदीय,

(सूर्य प्रताप शाही)

Registrar
S.V.P. Uni. of Agri. & Tech.
Meerut-250110 (U.P.)

# लाखन सिंह राजपूत

राज्य मंत्री
कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग
उत्तर प्रदेश

सं0 268/ वी.आई.पी./ रा.मं.कृ.शि/20
उत्तर प्रदेश सचिवालय,
एफ1/2, बापू भवन, पंचम तल, लखनऊ
दूरभाष : 0522-2235342(का0)

## संदेश

किसी भी व्यक्ति के लिए यह अत्यन्त महत्व रखता है कि वह किस प्रकार से शिक्षित हो रहा है, किस ढ़ग से चिन्तन मनन करता है । वस्तुतः शिक्षा का मतलब कुछ परीक्षाऐं पास कर लेना भर नही है, बल्कि शिक्षा से प्रभावित, संस्कारित एवं प्रशिक्षित होकर प्रज्ञा पूर्वक निर्भयता से जीवन जीते हुये अपनी सृजनशीलता से समाज को अभिप्रेरित करना है । मेरे लिए यह एक सुखद अनुभूति है कि सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ अपनी पत्रिका **''युवा अभिव्यक्ति''** के प्रथम अंक का प्रकाशन करने जा रहा है।

मुझे आशा ही नही पूर्ण विश्वास है कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी बतौर रचनाकार इस पत्रिका के माध्यम से पाठकों से रूबरू होगें और विश्वविद्यालय के प्रचार–प्रसार में अपनी अहम भूमिका निभायेगें।

अन्त में **''युवा अभिव्यक्ति''** के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूॅ ।

(लाखन सिंह राजपूत)

Registrar
S.V.P. Uni. of Agri. & Tech.
Meerut-250110 (U.P.)



Scanned with OKEN Scanner

त्रिलोचन महापात्र, पीएच.डी
सचिव, एवं महानिदेशक

TRILOCHAN MOHAPATRA, Ph.D.
SECRETARY & DIRECTOR GENERAL,

भारत सरकार
कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग एवं
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, कृषि भवन, नई दिल्ली 110001

GOVERNMENT OF INDIA
DEPARTMENT OF AGRICULTURAL RESEARCH & EDUCATION
AND
INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH
MINISTRY OF AGRICULTURE AND FARMERS WELFARE
KRISHI BAHAVAN, NEW DELHI 110 001
Tel.: 23382629; 23386711 Fax : 91-11-23384773
E-mail: dg.icar@nic.in

# संदेश

मुझे प्रसन्नता है कि सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा पत्रिका **''युवा अभिव्यक्ति''** के प्रथम अंक का प्रकाशन किया जा रहा है । मुझे पूर्ण विश्वास है कि इससे विद्यार्थियों को साहित्य की विभिन्न विधाओं में रूचि, ज्ञान एवं विचार को अभिव्यक्त करने का अवसर प्राप्त होगा । ''युवा अभिव्यक्ति'' में प्रकाशित सूचनाप्रद एवं प्रासंगिक लेख, सुधी पाठकों एवं विशेष रूप से छात्र–छात्राओं के ज्ञानवर्धन में सहायक होंगे, ऐसी मेरी दृढ़ मान्यता है।

मैं विश्वविद्यालय की सतत उन्नति एवं ''युवा अभिव्यक्ति'' के सफल प्रकाशन के लिये कामना करता हूँ। समस्त विश्वविद्यालय परिवार एवं छात्र–छात्राओं के उज्जवल भविष्य के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

दिनांक : 03 मार्च, 2021

त्रि. महापात्र
(त्रिलोचन महापात्र)

Registrar
S.V.P. Uni. of Agri. & Tech.
Meerut-250110 (U.P.)



Scanned with OKEN Scanner

# सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ 250110
# SARDAR VALLABHBHAI PATEL UNIVERSITY OF AGRI. & TECH., MEERUT 250110

डॉ॰ आर॰ के॰ मित्तल
कुलपति
**Dr. R.K. Mittal**
Vice Chancellor

Phone : 0121-2888522 (O)
0121-2888566(R)
Fax : 0121-2888505 (O)
Web : svbpmeerut.ac.in
E-mail : vc2016svpuat@gmail.com

## संदेश

मुझे प्रसन्नता है कि सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रोद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ की एक पत्रिका ''युवा अभिव्यक्ति'' का प्रथम अंक प्रकाशित हो रहा है । यह हमारे छात्र/छात्राओं के अथक प्रयासों का परिणाम फलीभूत होकर उन सबके समक्ष पहुँचने जैसा है । इस पत्रिका में जीवन व शिक्षा के विविध रंगों को कथा, काव्य स्मृतियों, प्रयासों और गतिविधियों जैसे मोतियों से पिरोया गया है और निस्संदेह पाठकों के लिए यह एक अभूतपूर्ण उपहार होगा। ''युवा अभिव्यक्ति'' विश्वविद्यालय के छात्र/छात्राओं की कल्पनाशीलता, सृजनात्मकता और समाज एवं राष्ट्र के प्रति उनके सरोकारों एवं वैचारिकता का दर्पण है । विश्वविद्यालय में शिक्षण कार्य के साथ–साथ छात्र/छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु अनेक गतिविधियां वर्ष पर्यन्त चलती रहती हैं । ज्ञान और सूचना के आधुनिक दौर में परम्परागत शिक्षा पद्धति और परीक्षा उत्तीर्ण करने से आगे छात्र/छात्राओं को अपनी रचनात्मक कौशल को निरन्तर समृद्ध और सशक्त करना महत्वपूर्ण है । एक ज्ञानवान, विकसित, सुरक्षित और आत्मनिर्भर राष्ट्र के निर्माण में विश्वविद्यालय की भूमिका महत्वपूर्ण है जहाँ विद्यार्थियों को कैसे सोचना है, सिखाया जाता है न कि क्या सोचना है? मै विश्वास करता हूँ कि पत्रिका इस उद्देश्य में सफल होगी और लोकतान्त्रिक राष्ट्र मे विद्यार्थियों को **''युवा अभिव्यक्ति''** की स्वतन्त्रता की मूल उर्जा से सकारात्मक उन्नयन का मार्ग प्रशस्त्र करेगी । मुझे पूर्ण विश्वास है कि पत्रिका अपने सुधी पाठकों को संतुष्टि एवं प्रेरणा प्रदान करेगी ।

''युवा अभिव्यक्ति'' के प्रकाशन के इस शुभ अवसर पर मैं अधिष्ठाता छात्र कल्याण, सम्पादकों, लेखकों, रचनाकारों और प्रकाशन प्रक्रिया में योगदान करने वाले सभी व्यक्तियों को हार्दिक शुभकामनाऐं एवं बधाई संप्रेषित करता हूँ । अपेक्षा करता हूँ कि रचनाकार अपने लेखन से इस साहित्यिक पत्रिका को समृद्ध करने में इसी प्रकार अनवरत योगदान देते रहेंगे ।

Registrar
S.V.P. Uni. of Agri. & Tech.
Meerut-250110 (U.P.)

(आर. के. मित्तल)



Scanned with OKEN Scanner

# सरदार पटेल की कहानी

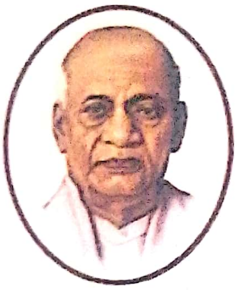

सरदार पटेल की कहानी,
सुना रहा हूँ अपनी जुबानी,
थे वे भारत के स्वतन्त्रा सेनानी,
देश आजादी की संकल्प थी ठानी,

देख के उनको दुश्मन कॉपे,
शेर की जैसी थी दहाड़े,
अग्रेजों के सपनो को रौद डाले,
ऐसे थे सरदार पटेल हमारे,

जब हुई सत्याग्रह बारडोली की,
तोड़ डाला अभिमान अंग्रेजो की,
मिली सफलता लब इसमें,
महिलाओं ने "सरदार" उपाधि दे डाली,

चली हवा जब आजादी की,
हुई शुरूआत दुश्मनों के बर्बादी की,
समझ गए दुश्मन अब दाल न गलेगी,
जल्दी छोड़ों देश वरना जान गवानी पड़ेगी,

दुश्मनों के सामने अपना लोहा मनवा लिया,
भगा कर उनको भारत बचा लिया,
एक पल भी जान की परवाह नहीं किया,
तब लोगो ने "लौह पुरूष" उपाधि दिया,

ये नही थे किसी से कम,
वीर जवानों में भरते थे दम,
लौहे जैसा था उनका तन,
देश प्रेम में डूबा था उनका मन,

कर गये वो बड़े काम है,
दिलो में जिन्दा आज वो इंसान है,
देश करता उनपे गुमान है,
ऐसे महापुरूष को नीलेश का बार–बार प्रणाम है ।

**नीलेश गोविन्द राव**
(बी0टेक बायोटेक)
चतुर्थ वर्ष

# शत्रु का हैं नाश हम

शत्रु का हैं नाश हम,
राष्ट्र का विश्वास हम,
अकंप्य बढ़ते कदम हमारे,
सीमा की दीवार हम,
अकल्पनीय कर्म काम हमारे,
मौत का पर्याय हम,
रणचंदी आशीर्वाद साथ हमारे,
आतंक का हैं अंत हम ,
संहारक भेदक नाम हमारे,
अद्वितीय अद्भुत अचूक हम,
भारत की हैं फौज हम ,

वीरता के किस्से पहचान हमारी,
विपत्ति में हैं अवलंब हम,
रणभूमि सुनाती दास्तां हमारी ,
देश रक्षा के हैं आ[illegible]ंग हम,
शत्रु जीत अभिल[illegible] हमारी,
दुश्मन कें हैं भुजंग [illegible]
वर्दी से सम्मान हमारी,
अपनी धुन में मतंग हम,
भारत की हैं फौज हम,

बलिदान की पुकार हम, सिंह की दहाड़ हम,
सागर से अनंत हम, जंग के हैं अंत हम,
हीरे से कठोर हम, भीतर से हैं मंद हम,
निर्भीक निश्चित उम्मीद हम, अविजित हैं अखंड हम,
मानवता की डोर हम,रूद्र हम प्रचंड हम,
एकता की पहचान हम, जान एक असंख्य हम,
सर्वत्र हम सदैव हम, प्रहरी हम विजयी हम,
भारत की हैं फौज हम ।।

Registrar
S.V.P. Uni. of Agri. & Tech.
Meerut-250110 (U.P.)

**कार्तिके द्विवेदी**
(बी0टेक बायोटेक)
चतुर्थ वर्ष



Scanned with OKEN Scanner

## सरदार पटेल की कहानी

सरदार पटेल की कहानी,
सुना रहा हूँ अपनी जुबानी,
थे वे भारत के स्वतन्त्र सेनानी,
देश आजादी की संकल्प थी ठानी,

देख के उनको दुश्मन काँपे,
शेर की जैसी थी दहाड़े,
अंग्रेजों के सपनों को रौंद डाले,
ऐसे थे सरदार पटेल हमारे,

जब हुई सत्याग्रह बारडोली की,
तोड़ डाला अभिमान अंग्रेजो की,
मिली सफलता तब इसमें,
महिलाओं ने "सरदार" उपाधि दे डाली,

चली हवा जब आजादी की,
हुई शुरूआत दुश्मनों के बर्बादी की,
समझ गए दुश्मन अब दाल न गलेगी,
जल्दी छोड़ों देश वरना जान गवानी पड़ेगी,

दुश्मनों के सामने अपना लोहा मनवा लिया,
भगा कर उनको भारत बचा लिया,
एक पल भी जान की परवाह नहीं किया,
तब लोगो ने "लौह पुरुष" उपाधि दिया,

ये नही थे किसी से कम,
वीर जवानों में भरते थे दम,
लौहे जैसा था उनका तन,
देश प्रेम मे डूबा था उनका मन,

कर गये वो बड़े काम है,
दिलो में जिन्दा आज वो इंसान है,
देश करता उनपे गुमान है,
ऐसे महापुरुष को नीलेश का बार–बार प्रणाम है ।

नीलेश गोविन्द राव
(बी0टेक बायोटेक)
चतुर्थ वर्ष

## शत्रु का हैं नाश हम

शत्रु का हैं नाश हम,
राष्ट्र का विश्वास हम,
अकंप्य बढ़ते कदम हमारे,
सीमा की दीवार हम,
अकल्पनीय कर्म काम हमारे,
मौत का पर्याय हम,
रणचंदी आशीर्वाद साथ हमारे,
आतंक का हैं अंत हम ,
संहारक भेदक नाम हमारे,
अद्वितीय अद्भुत अचूक हम,
भारत की हैं फौज हम ,

वीरता के किस्से पहचान हमारी,
विपत्ति में हैं अवलंब हम,
रणभूमि सुनाती दास्तां हमारी ,
देश रक्षा के हैं अभिन्न अंग हम,
शत्रु जीत अभिलक्षण प्रतिभा हमारी,
दुश्मन कें हैं भुजंग हम,
वर्दी से सम्मान हमारी,
अपनी धुन में मतंग हम,
भारत की हैं फौज हम,

बलिदान की पुकार हम, सिंह की दहाड़ हम,
सागर से अनंत हम, जंग के हैं अंत हम,
हीरे से कठोर हम, भीतर से हैं मंद हम,
निर्भीक निश्चित उम्मीद हम, अविजित हैं [illegible] हम,
मानवता की डोर हम,रूद्र हम प्रचंड हम,
एकता की पहचान हम, जान एक असंख्य हम
सर्वत्र हम सदैव हम, प्रहरी हम विजयी हम,
भारत की हैं फौज हम ।।

कार्तिके द्विवेदी
(बी0टेक बायोटेक)
चतुर्थ वर्ष



## शहादत

मर गया सीमा पर बिना कुछ पूछे,
क्योंकि वह हमारा जवान था।
सोचो माँ उसकी रोई होगी गर्व से,
क्योंकि वह माँ का सपूत था।
सोचो बहन कितनी रोई होगी क्योंकि
उसकी कलाइयों पर राखी थी,
फिर भी उसका सीना चौड़ा था,
क्योंकि पहनी उसने खाखी थी।
गोलियों से छलनी होने के बावजूद भी,
वह आकाश का तारा बन गया।
कच्ची उम्र में मौत को गले लगा के भी,
वह अमर हो गया।
लाखों लोगों ने मोमबत्ती जलाकर
उसे श्रद्धांजलि दी,
एक सामान्य इंसान के बावजूद
वह महापुरुष बन गया।।
हम घरों में बैठकर चैन की सांस लेते हैं,
क्योंकि सीमा पर इन जैसे जवान हैं।
हमारे बच्चे बिना चिंता के स्कूल जाते हैं,
क्योंकि सीमा पर जवान हैं।
हम आजाद हिन्दुस्तानी की
आजाद हवा में सांस लेते हैं,
क्योंकि सीमा पर जवान है।।
जय हिन्द!

मयंक शुक्ला
बीएससी (हॉन्स.) हॉर्टीकल्चर(द्वितीय वर्ष)

## कैसी है ये आजादी ?

73 साल पहले जिन देवियों को "भारत माता" माना जाता था,
आज सिर्फ उनकी मूर्तियों को पूजा जाता है,
हजारों जीवित देवियों का शोषण किया जाता है,
इंसानियत को मौत के घाट उतार दिया जाता है,
मैं पूँछता हूँ साहब कैसी है ये आजादी?
73 साल पहले जिस ब्रिटिश राज का खण्डन किया गया था,
आज भी तो उन्हीं की सोच को पूजा जाता है,
जिस हिन्दू मुसलमान में ऊपर वाले ने कोई भेद नहीं किया,
उसे सत्ता की लालच में बार-बार तोड़ा जाता है,
मैं पूँछता हूँ साहब कैसी है ये आजादी?
कुछ लोग तो अपना इमान तक बेच के बैठे हैं,
भ्रष्टाचार को अपना जन्मसिद्ध अधिकार मान के बैठे हैं,
सरदार पटेल के अखंड भारत को खंड-खंड कर बैठे हैं,
पर दूसरी तरफ देश के प्रति सच्ची निष्ठा की शपथ लेकर बैठे हैं,
मैं पूँछता हूँ साहब कैसी है ये आजादी?
जान चली जाए तो जाए,
जान की परवाह नहीं,
मगर झूठी शान में जी ले ज़िन्दगी अपनी वो जमात नहीं,
"लबों की आजादी" यही नारा है हमारा,
क्योंकि यह किसी की जागीर नहीं बल्कि वतन है हमारा।
वो सुबह जब हिन्दू मुसलमान एक साथ सजदाह करेंगे,
वो दोपहर जब मनुष्य अपने हित में छोड़ देशहित के बारे में सोचेंगे,
वो शाम जब लड़कियाँ बेख़ौफ होकर घर से बाहर निकलेंगी,
वो रात जब आसमान में सुनहरे सपनों की माला होगी,
मैं कहता हूँ साहब वही असली आज़ादी होगी।
मैं कहता हूँ साहब वही असली आज़ादी होगी।

श्रेयष मुखर्जी
बी.एससी (कृषि) तृतीय वर्ष



Registrar
S.V.P. Uni. of Agri. & Tech.
Meerut-250110 (U.P.)

# FARM BILL 2020

Indian agriculture acts of 2020, often referred to as the Farm Bills, are three acts initiated by the Parliament of India in September 2020. The Lok Sabha approved the bills on 17 September 2020 and the Rajya Sabha on 20 September 2020. The president of India gave him assent on 27 September 2020.

The thre farm acts include :

1. **THE FARMERS' PRODUCET TRADE AND COMMERCE (PROMOTION AND FACILITATION) ACT, 2020** - Allows farmers to sell their harvest outside the notified Agricultural Produce Market Committee (APMC) mandis without paying any state taxes or fees.
2. **THE FARMERS (EMPOWERMENT AND PROTECTION) AGREEMENT ON PRICE ASSURANCE AND FARM SERVICES BILL 2020** - Facilities contract farming and direct marketing with buying including mention of price.
3. **THE ESSENTIAL COMMODITIES (AMENDMENT) BILL 2020** - Beregulates the production, storage, movement and sale of several major foodstuffs, including cereals, pulses, edible oils and onion, except in the case of extraordinary circumstances.

**Key Provisions of the Laws :**

The key provisions of new farm laws are intended to help small and marginal farmers (86% of total farmers) who don't have means to either bargain for their produce to get a better price or invest in technology to improve the productivity of farms. The act on Agri market allows farmers to sell their produce outside APMC 'mandis' to whoever they want. Anyone can buy their produce even at their farm gates. Though 'commission agents' of the 'mandis' and state could lose 'comission and mandi fees' fespectively (the main reason for the current protests), farmers will get better prices through competition and cost-cutting on transportation.

The law on contract farming will, on the other hand, allows farmers to enter into a contract with agri-business firms or large retailers on pre-agreed prices of their produce. This willhelp small and marginal farmers as the legislation will transfer the risk of market unpredictability from the farmer to the sponsor.

The third law seeks to remove commodities like cereals, pulses, oilseeds, edible oils, onion and potatoes from the list of essential commodities. This provision will attract private sector / foreign direct investment into the agriculture sector.

**Ankesh Kumar Singh**
B.sc. Agriculture (Hons.) 3rd Year

# Being Alone

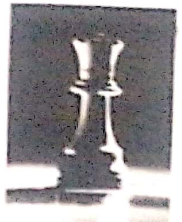

Once I was walking alone in the rain. Carrying my umbrella and a sweet pain, I was completely lost in the clouds of my thoughts, Remembering my points of success and all my flaws.

Suddenly I saw a girl getting wet in the rains, Her clothes were entirely filled with mudstains, She was like a bird but of a different feather, And we traced a long way walking together.

The rain stopped and I removed my umbrella, Surprisingly I again found myself alone with no cinderella, I smiled and became sure that it was my delusion, My own loneliness has served me this illusion.

I stopped for a while and took a look at the nature, Observing every flower and every creature, A single solitary flower is as beautiful alone, A meadow full is pleasurable but each grows on its own.

I was happy because now I was not depressed, Now my opinions cannot be suppressed, My feelings are able to be expressed, And finally after being alone also I felt I was blessed, After being alone also I felt I was blessed...

**Shreyash Mukherjee**
B.Sc. agriculture (Hons.) 3rd Year

# Life Will Change

Before your last breath says goodbye to you, Before your soul passes a last smile to you, Before the entire time and tide stop with you, & before the mother of death extends her hand towards you.

Try to do at least one thing, Which can make you the mightiest king, Which can make you different from the whole world, And which can quench your soul's thirst.

For you life will always be tough, The smooth roads will always be rough, For you life will always be a bluff, And your enemies will only point out the dirt on your cuff.

The day you can jump the biggest hurdle, The day you can solve the toughest riddle, The day you can see your shadow even when your eyes are closed, And the day you can open a window when all your doors are closed.

That day a new dawn will be there in your life, Your all enemies will be forced to apologize, Your existence on earth will resemble a paradise, And it may happen that you will die one day, But for ever your soul will survive, For ever your soul will survive...

**Shreyash Mukherjee**
B.Sc. Agriculture (Hons.) 3rd Year

Registrar
S.V.P. Uni. of Agri. & Tech.
Meerut-250110 (U.P.)

# Postmortem of Farm Bill 2020

**Introduction**

In the awake of the first sunshine of 5th June 2020 the three farm bills were introduced as ordinances by the Government of India. The three ordinances were- The Farmers' Produce Trade and Commerce (Promotion and Facilitation) Ordinance, 2020, The farmers (Empowerment and Protection) Agreement on Price Assurance and farm Services Ordinance, 2020 and The Essential Commodities (Amendment) Ordinance, 2020. Later on 14th September 2020 these bills were introduced in Lok Sabha by Shri Narendra Singh Tomar.

**Merits Of Farm Bill 2020**

- To create an ecosystem where farmers and traders enjoy the freedom to sell and purchase farm produce outside the registered "mandis" under states' APMCs.
- The government also decided to give a particular fixed MSP to support and double the farmer's income by 2022
- To provide a facilitative framework for electronic trading.
- To reduce marketing/transportation costs and help farmers in getting better prices.
- To promote barrier free inter state and intra state trade of farmers' produce.

**Lacunae Of Farm Bill 2020**

- Farm bill promotes contract farming but in reality it will only benefit big farmers and not small farmers.
- Dispute redressal system is not practical because there is no option to approach civil courts in case of dispute and in law firm there is a statement "Justice delayed is justice denied".
- The biggest concern is of the MSP, the government offers to buy 23 products at decided MSP to support and double the farmers' income but in reality only wheat and rice are purchased by the government.
- As per the existing laws, the free market would not have taxes but this will encourage the decline of APMCs in a long run therefore the farmers argue that the rate of taxes should be same in both APMCs and free market.

**Amendments of Farm Bill 2020**

- The farmers cannot only approach the sub divisional magistrate in case of dispute but can also approach civil courts in case of a dispute.
- The traders would not be able to make any purchases based on a pan card they have to be registered and verified in the government portal in order to make any purchase.
- One amendment has also guaranteed that in case of contract farming, it would not be the farmer's land which would be mortgaged rather the bonus will lie with the contractor whereby ensuring that the farmer's land remains safe.
- The Food Corporation of India buys agriculture produce from the farmers which is then distributed at lower prices amongst the Economically Weaker Sections(EWS). The cost of purchase is borne by the Government of India.



**Legal Dna Testing of Farm Bill 2020**

- According to the farm bill 2020 farmer is now free to sell his crop anywhere but in reality 86.2% of Indian farmers own less than 2 hectares land, they are under heavy compulsion to sell their crops immediately after harvest.
- According to the farm bill 2020 MSP and government procurement will continue but in reality Section 5 of Contract act states that "to ensure best value to the farmer" such price "may be linked to the prevailing prices in specified APMC yard or electronic trading and transaction platform" but not to the MSP or the government procurement rate.
- According to the farm bill 2020 farmers will be free from exploitation by intermediaries but in reality these acts provide at least 5 layers of middlemen i.e.
  - ➢ Section 2(g) stipulates a farm agreement in which "written agreement entered into between farmer and sponsor and a third party" this third party is left undefined
  - ➢ Section3(1)(b) states that the " responsibility for compliance of any legal requirement for providing farm services shall be with the sponsor or farm service provider", this farm service provider is a middleman
  - ➢ Section 4(4) says monitoring and certification of quality and " the process of cultivation or rearing, or at the time of delivery, by third party qualified assayer", this means another middleman.

**Incomparable Solutions to Complications of Farm Bill 2020**

- Initiation of reverse migration that has happened during COVID 19 has taught us a lesson that India was, is and will be an agricultural dependent country.
- Provide the farmers with an assured income by laying a network of 42,000 mandis in India
- Under the scheme of "One Nation One Market" the subscheme of "One Nation One MSP" must also be inculcated
- Increase the investments in agriculture by GOI because according to a RBI report of 2017-18 only 0.4% of GDP was invested in agricultural sector which employs around 60crore people of India.

**Conclusion**

Countless captains of India piloted the ship of development and steered her through perilous tides and tempests so today there is a requirement to imprint the wings of such techniques which will beneficial for the farmers, the citizens and the government of India.

**Shreyash Mukherjee**
B.sc. Agriculture (Hons.) 3rd Year

Registrar
S.V.P. Uni. of Agri. & Tech.
Meerut-250110 (U.P.)



Scanned with OKEN Scanner

## Something is Missing

We spend some of our unforgettable days in our college, with lots of fun and an ample of knowledge, where we have a small temple named "canteen", which is a point for our credits and bargain.

Then one day a demon comes in the face of corona virus, which brutally infects our lungs and stops our pulse, to prevent it further our government orders for lock down, which sadly seizes our freedom just like a clown.

We are safe in our homes but something is missing, shouting at the warden as the light goes off is missing, getting ready for class in just 5 min is missing, sharing a single pastry among six friends is missing.
We are safe in our homes but something is missing, unreasonably gossiping with friends in a circle is missing, giving a tight hug to a frustrated friend is missing, putting down the MCB's of other's rooms is missing.
We are safe in our homes but something is missing, thinking your roommate as your whole family is missing, taking the selfies in class and posting them is missing, hiding other's only notebook and sitting quietly is missing.
Oh god please remove this corona virus as soon as possible, we know your powers are phenomenal and invincible, withdraw every pain and every hurdle, and give us a new gift of life just like an angel, give us a new gift of life just like an angel...

**Shreyash Mukherjee**
B.sc. Agriculture (Hons.) 3rd Year

## Sing me to sleep

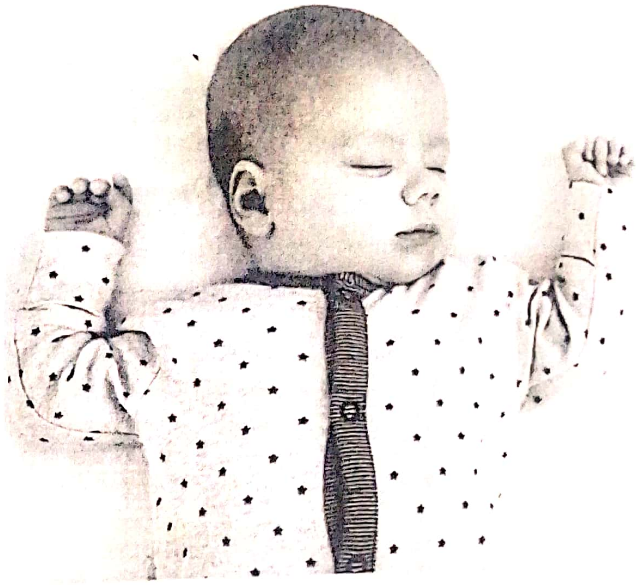

Bring me the dreams so deep.
Take me to the sky so high,
Where I can scream with no sigh.
Make the fire smirk with blaze,
Let me burn with an earnest gaze.
Drape me with the cloak of cloud,
With the delirious birds singing loud.
Take me to the rainbow slides,
Where the frolic light gayly thrives.
Take me to the countless stars,
Where sumptuous sky has no bars.
Away from the world so creep,
Daze the mountains with a peek.
Let the world take its leap,
Till you sing me to sleep....

**Swapnil Srivastava**
M.Sc. Agriculture Biotechnology



Scanned with OKEN Scanner

# Campus View

Registrar
S.V.P. Uni. of Agri. & Tech.
Meerut-250110 (U.P.)

Scanned with OKEN Scanner

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
मेरठ 250110 (उत्तर प्रदेश)

Print@NP # 09837229878, 09412781858

Scanned with OKEN Scanner